प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, शनिवार, 29 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 318, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

कफ सिरप केस में नाम आने पर बौखलाए धनंजय सिंह

» Pg12

इनसाइड तहसील सदर में लेखपालों के आंदोलन को कांग्रेस का... » Pg06

पतंजलि घी खाने लायक नहीं, 1.40 लाख ठोका जुर्माना

गाय का नाम, भरोसे का खेल, सैंपल लैब में फेल!

खोखले निकले शुद्धता के दावे असलियत में बस कारोबार, गाय के नाम पर देश की जनता को ठग रहे योग गुरु रामदेव?

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

देहरादून/लखनऊ। अगर आप भी बाबा रामदेव की कंपनी पंतजलि का घी खाने में इस्तेमाल करते हैं तो पहली फुर्सत में घी को अपने घर से बाहर निकाल दीजिए, क्योंकि बाबा रामदेव की कंपनी का घी खाने लायक नहीं। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि पर गाय का घटिया घी बेचने का आरोप लगा है। इसके लिए कोर्ट के आदेश पर पतंजलि घी के निर्माता और वितरक पर कुल 1.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड इस पर सफाई देते हुए इस आदेश को त्रुटिपूर्ण तथा विधि-विरुद्ध है।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में पतंजलि घी के सैंपल फेल होने पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पतंजलि घी के निर्माता, वितरक और खुदरा विक्रेता पर राज्य और सेंट्रल लैब में घी के सैंपल फेल होने के बाद क्रमशः 1.25 लाख और 15,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

पिथौरागढ़ के सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त आरके शर्मा ने न्यूज एजेंसी को बताया, एडीएम पिथौरागढ़ की अदालत में तीनों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 46/4 के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसने 19 नवंबर को फैसला सुनाया, जिसकी कॉपी हमें आज मिली।

दोबारा जांच में भी फेल हुआ घी

शर्मा के अनुसार, अक्टूबर 2020 में घी के सैंपल एकत्र किए गए और रुद्रपुर स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला में भेजे गए, जहां सैंपल फेल रहे। इसके बाद व्यापारियों ने सितंबर 2021 में केंद्र सरकार की प्रयोगशाला से टेस्ट कराने का अनुरोध किया, जहां सैंपलों को 2022 में फेल घोषित किया गया। इसके लिए पतंजलि से 5000 रुपये की फीस भी ली गई थी। पिथौरागढ़ के सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने कहा, उसके बाद उस समय हमारे खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप कुमार जैन को 17 फरवरी, 2022 को एसडीएम कोर्ट में मामला दर्ज करने का आदेश दिया गया था, जिसका फैसला इसी महीने 19 नवंबर को आया।

आदेश पर क्या बोली पतंजलि?

पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की ओर से बीते शुक्रवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर स्पष्टीकरण जारी किया गया है। बयान में कहा गया, कि एक यह स्पष्टीकरण मीडिया रिपोर्ट से हमारे संज्ञान में आए खाद्य सुरक्षा विभाग, पिथौरागढ़ द्वारा 20 अक्टूबर 2020 को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लिए गए पतंजलि गाय का घी के नमूने के संदर्भ में मुकदमा और न्यायालय द्वारा संबंधित आदेश के विषय में है। यह आदेश निम्नलिखित कारणों से त्रुटिपूर्ण तथा विधि-विरुद्ध है।

कंपनी का तर्क है कि रेफरल प्रयोगशाला एनएबीएल से गाय के घी के परीक्षण के लिए मान्यता प्राप्त नहीं थी, इसलिए वहां किया गया परीक्षण कानून की दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। यह हास्यास्पद और घोर आपत्तिजनक है कि एक सब-स्टैंडर्ड लैब ने पतंजलि के सर्वश्रेष्ठ गाय के घी को सब-स्टैंडर्ड बताया है।

जिन पैरामीटरों के आधार पर नमूना असफल घोषित किया गया, वे उस समय लागू ही नहीं थे, इसलिए उनका प्रयोग करना विधिक रूप से गलत है। दोबारा परीक्षण सैंपल की एक्सपायरी डेट बीत जाने के बाद किया गया, जो कानून के अनुसार अमान्य है।

कोर्ट ने इन सभी प्रमुख तर्कों पर विचार किए बिना प्रतिकूल आदेश पारित किया है, जो विधि की दृष्टि से सही नहीं है। इस आदेश के विरुद्ध फूड सेफ्टी ट्राइब्यूनल में अपील दायर की जा रही है, और हमें पूर्ण विश्वास है कि ट्राइब्यूनल के समक्ष हमारे पक्ष के ठोस आधारों पर यह मामला हमारे पक्ष में निर्णयित होगा।

मिलावट के मामले कई हजार, फिर भी सजा की दरकार

देशभर में 2008 से 2025 के बीच खाद्य-मिलावट के दसियों हज़ार मामलों का रिकॉर्ड बताता है कि घी, दूध, तेल और मसालों में मिलावट हर साल बड़ी मात्रा में पकड़ी जाती है, लेकिन दोषसिद्धि की दर बेहद कम है। अधिकांश राज्यों में हजारों सैंपल फेल होते हैं, पर कार्रवाई अक्सर छोटे कारोबारियों तक सीमित रह जाती है। बड़े ब्रांड और भारी विज्ञापन दबाव वाले उत्पाद, चाहे उन पर गंभीर आरोप हों या लैब में सैंपल फेल हो जाएं, कानूनी तकनीकीताओं और अपीलों के सहारे लगातार बच निकलते हैं। यही वजह है कि उपभोक्ता अब पूछ रहे हैं कि मिलावट के सबसे बड़े खिलाड़ी कौन हैं – और हमेशा कटघरे में सिर्फ छोटे लोग ही क्यों खड़े दिखते हैं।

घी खाने पर साइड इफेक्ट हो सकते हैं

घी फेल होने के बाद खाद्य विभाग ने लोगों को सेवन न करने की सलाह दी है। खाद्य विभाग के अधिकारी ने घी को लेकर कहा कि कोई भी अगर इसका सेवन करता है तो उसको बीमारी हो सकती है। इतना ही नहीं साइड इफेक्ट का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में घी का सेवन करने से लोगों को मना किया गया है। ऐसा पहली दफा नहीं है, जब बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि का कोई प्रोडक्ट जांच में फेल हुआ है, इससे पहले भी कई प्रोडक्ट कंपनी के फेल साबित हुए हैं।

चेतावनी के बाद भी पतंजलि के झूठे दावे

पिछले वर्षों में रामदेव और पतंजलि को कई बार अदालतों की कड़ी टिप्पणियों और आपत्तियों का सामना करना पड़ा है, जिनमें भ्रामक विज्ञापन और बढ़ा-चढ़ाकर किए गए उत्पाद दावे प्रमुख रहे। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 और 2024 में साफ कहा था कि पतंजलि जानबूझकर गलत दावे करता रहा और चेतावनियों के बावजूद ऐसे प्रचार बंद नहीं हुए। आयुर्वेदिक इलाजों को हर बीमारी की दवा बताने जैसे दावों पर भी अदालत ने गंभीर सवाल उठाए थे। दरअसल बाबा रामदेव योग में देश की जनता को उलझाकर अपनी कंपनी के घटिया प्रोडक्ट को बेचने का कार्य कर रहे हैं।

अलविदा श्रीप्रकाश जायसवाल

कानपुर के चहेते सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल नहीं रहे

» देर रात तबीयत बिगड़ने पर कॉर्डियोलॉजी ले जाया गया, डॉक्टरों ने चेकअप कर निधन की जानकारी दी

कांग्रेस को मजबूत आधार देने वाले जमीनी नेता, श्रम शक्ति एक्सप्रेस और कई प्रोजेक्ट कानपुर को दिलाए

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार देर रात 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पोखरपुर स्थित आवास पर तबीयत बिगडने के बाद स्वजन उन्हें हृदय रोग संस्थान ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल निदेशक डॉ. राकेश वर्मा के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो चुका था। वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। परिवार के अनुसार, उनका बड़ा बेटा सिद्धार्थ जायसवाल कनाडा में है, इसलिए अंत्येष्टि उसके आने के बाद की जाएगी। श्रीप्रकाश जायसवाल की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे लगातार तीन बार सांसद चुने गए। गृह राज्य मंत्री फिर केन्द्रीय कोयला मंत्री के रूप में उन्होंने सरकार में भागीदारी निभाई।

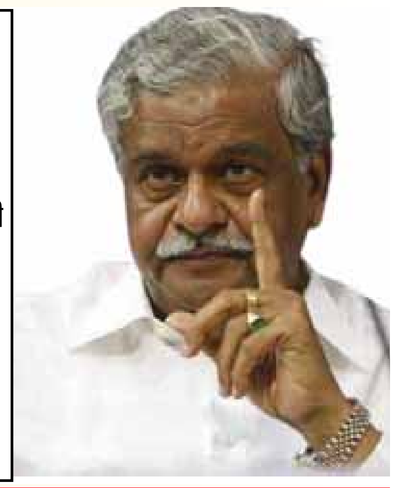

राजनीति में मजबूत पकड़, कानपुर को कई बड़ी सौगातें

25 सितंबर 1944 को जन्मे श्रीप्रकाश जायसवाल ने डीएवी कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की। वे 1989 में मेयर, 1999, 2004 और 2009 में लगातार तीन बार कानपुर के सांसद बने। 2004 में उन्हें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और 2009 में कोयला राज्यमंत्री बनाया गया।अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शहर को श्रम शक्ति एक्सप्रेस, उद्योग नगरी जैसी ट्रेनें दिलाईं और सीओडी पुल समेत कई विकास परियोजनाएँ स्वीकृत कराईं।कांग्रेस में वे 1999 से 2014 तक सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने गए। उन्होंने 2000-2002 तक प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली। वे इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के भी करीबी माने जाते थे।2014 में उन्हें भाजपा के डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने हराया। 2019 में सत्यदेव पचौरी के सामने भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2024 में वे चुनाव मैदान में नहीं उतरे।पूर्व केंद्रीय मंत्री के निधन से कानपुर सहित पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। पार्टी नेताओं ने उन्हें संघर्षशील, सरल और संगठन को मजबूत करने वाला नेता बताया है।

पद का कभी कोई गुमान नहीं किया

श्रीप्रकाश जायसवाल अपने मंत्री कार्यकाल में भले ही पांच दिन दिल्ली में गुजारते थे, लेकिन शनिवार और रविवार को अपने शहर में अधिकांश रहते थे। इस दौरान घर से लेकर तिलक हाल और जगह-जगह नुक्कड़ पर अपनों से जरूर मिलते थे। साथ में चाय पीना और हंसी मजाक उनकी विशेष आदत में शुमार था। हजारों लोग ऐसे हैं जिन्हें वह सीधे नाम से ही बुलाते थे। यहां तक कि पत्रकारों से बातचीत के दौरान भी उनकी हंसी-ठिठोली चलती रहती थी। उन्हें चाहने वालों का कहना है कि उन्हें किसी पद का कभी कोई गुमान नहीं था, हमेशा जब भी मिले तो सरलता से ही मिले। यह बात तो विपक्षी पार्टियों के नेता भी कहते थे।

ऐसा रहा राजनैतिक सफर: एक नजर

» 1977 – कांग्रेस पार्टी में सक्रिय राजनीति शुरू की

» 1984–85 – यूपी कांग्रेस कमेटी के बैकवर्ड संघ के पहले महामंत्री और बाद में चेयरमैन बने

» 1989 – कानपुर नगर के महापौर बने

» 1991–92 – शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने

» 1993 – छावनी विधानसभा से सतीश महाना के खिलाफ चुनाव लड़े और हारे

» 1998– कानपुर लोकसभा चुनाव सीट से चुनाव लड़े और हारे

» 1999 – कानपुर लोकसभा चुनाव सीट से जीते

» 2000 – 2002 – प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे

» 2004 – कानपुर लोकसभा चुनाव सीट से लगातार दूसरी बार जीते

» 23 मई 2004 से 22 मई 2009 तक केंद्रीय गृहराज्य मंत्री रहे

» 2009– कानपुर लोकसभा चुनाव सीट से लगातार तीसरे बार जीते

» 9 जनवरी 2011 – 26 मई 2014– केंद्रीय कोयला मंत्री रहे

» 2014– मोदी लहर में मुरली मनोहर जोशी से चुनाव हार गए

कांग्रेस ही नहीं बल्कि कानपुर के लोगों के लिए यह बड़ा झटका है। यकीन नहीं नीता कि हमारे नेता श्रीप्रकाश जायसवाल जी आज हमारे बीच नहीं रहे। उनके बताए मार्ग पर अब चलना ही कांग्रेसियों का लक्ष्य है। वह शहर के विकास पुरुष और युवाओं के लिए प्रेरणादायक रहे।

संदीप शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष, कांग्रेस

क्रिकेट और संगीत से गहरा लगाव

एक पुराने साक्षात्कार में उन्होंने बताया था कि यदि वे राजनीति में न होते तो क्रिकेटर बनते। क्रिकेट उनका दूसरा सबसे बड़ा जुनून था, लेकिन पिता की असहमति के चलते वे पेशेवर क्रिकेटर नहीं बन सके।इसके अलावा वे संगीत के भी बेहद शौकीन थे। विशेष रूप से उन्हें मन्ना डे के गीत बेहद पसंद थे।उन्होंने स्वीकार किया था कि लगभग दस वर्ष की उम्र से ही वे मन्ना डे के दीवाने थे।हालांकि उन्हें मुकेश, मोहम्मद रफी, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर के गीत भी पसंद थे, लेकिन मन्ना डे का संगीत उनके दिल के सबसे करीब था।

शिक्षा और प्रारंभिक जीवन

श्रीप्रकाश जायसवाल की शिक्षा पूरी तरह कानपुर में ही हुई। प्रारंभिक शिक्षा एबी विद्यालय, बंगाली मोहाल में हुई।आठवीं तक की पढ़ाई ओमर वैश्य इंटर कॉलेज, जबकि 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई बीएनएसएसडी कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने स्नातक डीएवी कॉलेज से किया, जहां वे एक वर्ष तक कॉलेज क्रिकेट टीम के कप्तान भी रहे।

दिवंगत श्रीप्रकाश जायसवाल को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सतीश महाना

राजनीति में मतभेद के बावजूद मनभेद न होने की मिसाल

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन ने कानपुर की राजनीतिक दुनिया को गहरे शोक में डाल दिया है। उनके गोलोकवासी होने के बाद जिस तरह शहर की राजनीति में वर्षों से आमने–सामने रहे नेता विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना श्रद्धांजलि देने पहुंचे, वह राजनीतिक मर्यादा की एक बड़ी मिसाल बन गई।

साल 1993 में छावनी विधानसभा से सतीश महाना के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले श्रीप्रकाश जायसवाल तब हार गए थे। इसके बाद 2009 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने कानपुर नगर सीट से चौथी बार चुनाव लड़ते हुए तत्कालीन विधायक सतीश महाना को मात दी और अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। दोनों के समर्थकों के बीच उस चुनाव के दौरान तनाव इतना बढ़ा कि फूलबाग में आयोजित एक टीवी चैनल की डिबेट हंगामे के चलते बीच में ही रोकनी पड़ी।सतीश महाना कई बार सार्वजनिक रूप से श्रीप्रकाश जायसवाल के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाते रहे। सीओडी पुल पूरा न होने पर उन्होंने प्रतीकात्मक तौर पर केक काटकर तंज भी कसा था। लेकिन आज जब श्रीप्रकाश जायसवाल अब इस दुनिया में नहीं रहे, तो राजनीति की सारी दूरियां पीछे छूट गईं।विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना स्वर्गीय श्रीप्रकाश जायसवाल के पोखरपुर स्थित आवास पहुंचे, उनके पार्थिव शरीर को नमन किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए। महाना ने कहा कि राजनीति में मतभिन्नता हो सकती है, पर मनभेद नहीं होना चाहिए और श्रीप्रकाश जायसवाल इस सिद्धांत की जीवंत मिसाल थे।

कानपुर ने एक संवेदनशील, सहज और मिलनसार जननेता खो दिया। शहर में शोक की लहर है।

गुजरे पल में कुछ साथ गुजारे पल श्रीप्रकाश जायसवाल जी के

सीएम ग्रिड योजना का निर्माण कार्य देखने पहुंचे नगर आयुक्त

» नगर निगम सहित अन्य एजेंसियों की लापरवाही पर नगर आयुक्त का सख्त रुख, स्वराज इंडिया ने उठाई थी आवाज़

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वराज इंडिया अखबार ने नगर निगम के जोन 6 बगिया क्रॉसिंग पर सी.एम. ग्रिड योजना के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्य में सामने आई गंभीर अनियमितताओं और जल निगम की सुस्त कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कई रिपोर्ट प्रकाशित की थी। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के स्थलीय निरीक्षण में यह साफ़ सामने आया कि जल निगम की ओर से पाइपलाइन बिछाने के कार्य में न तो अपेक्षित तेजी है और न ही तय निर्देशों का पालन। इससे न केवल परियोजना में अनावश्यक देरी हो रही है, बल्कि आम नागरिकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है, जिसकी जिम्मेदारी तय होना बेहद जरूरी है। नगर आयुक्त द्वारा जल निगम के अधीक्षण अभियंता को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने की कार्रवाई को स्वराज इंडिया ने सही दिशा में उठाया गया कदम बताया।

स्वराज इंडिया ने उठाए थे जनहित के कई मुख्य मुद्दे

कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की उपेक्षा को गंभीर बताते हुए संगठन ने आरोप लगाया कि श्रमिकों को हेलमेट, जैकेट और चेतावनी पट्टिकाओं जैसी अनिवार्य सुरक्षा सामग्री नहीं दी जा रही थी। खुदाई वाले इलाकों में नागरिकों की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्ग और बैरिकेडिंग की कमी को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताई गई। यातायात व्यवस्था बिगड़ने को लेकर स्वराज इंडिया ने कहा कि यह पूरी तरह प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। मांग है कि मुख्य अभियंता और जोनल अभियंता पर केवल निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं है। कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही तय की जाए और देरी पर कठोर कार्रवाई हो।

स्थानीय लोगों ने नगर निगम से यह भी आग्रह किया कि दैनिक प्रगति रिपोर्टों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि जनता को पारदर्शी तरीके से जानकारी मिल सके और करोड़ों की इस परियोजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही तत्काल उजागर हो सके।

स्वराज इंडिया
स्वराज इंडिया कानपुर सिटी 03
सीएम ग्रिड योजना के निर्माण में अंधेरगर्दी, अफसर मौन
» कल्याणपुर बगिया रोड पर पसरा कीचड़, घरों में कैद हुए लोग, ठेकेदार फर्म पर उठे सवाल

दिवंगत शुभम द्विवेदी के पिता की मांग, स्मृति द्वार पर शहीद शब्द जोड़ा जाए

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले के दिवंगत शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी ने कानपुर के हाथीपुर में बने 11 लाख रुपये के स्मृति द्वार पर स्वर्गीय की जगह शहीद शुभम द्विवेदी लिखवाने की मांग की है और इसके लिए वे जल्द ही विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को ज्ञापन सौंपेंगे। कानपुर में पहलगाम आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी का दर्द एक बार फिर उभर आया है। इकलौते बेटे को खोने के बाद बची हुई स्मृतियों को देखकर वह समय बिताते हैं, लेकिन पैतृक गांव हाथीपुर में उनकी याद में बने स्मृति द्वार को लेकर परिजन असंतुष्ट हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की निधि से करीब 11 लाख रुपये की लागत से स्मृति द्वार बनकर तैयार हुआ है।

परिजनों का कहना है कि इसमें स्वर्गीय शुभम द्विवेदी लिखा गया है, जो उनके लिए पीड़ा दायक है। पिता संजय द्विवेदी और चाचा ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज द्विवेदी ने बताया कि जम्मू कश्मीर सरकार ने पहलगाम में शहीद स्थल का निर्माण किया है, जहां सभी 26 शहीदों की स्मृति शेष बनाई गई है। इसी तरह बाइसन घाटी में भी शहीद स्थल तैयार हो रहा है, जिसमें सभी के चित्र लगाए जाएंगे और उस जगह को शहीद स्थल नाम दिया गया है।

ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार को भी स्मृति द्वार पर शहीद शुभम द्विवेदी लिखवाना चाहिए। परिजनों के साथ ही क्षेत्रीय जनता ने भी यह मांग उठाई है। उनका कहना है कि स्मृति द्वार पर शहीद शुभम द्विवेदी लिखा जाए, ताकि लोगों को यह पता चल सके कि उन 26 लोगों में उत्तर प्रदेश का लाल भी शामिल था। पिता संजय द्विवेदी ने बताया कि वह जल्द ही विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिलकर ज्ञापन देंगे और यह मांग रखेंगे कि स्मृति द्वार पर शहीद शब्द जोड़ा जाए, जिससे उन्हें शांति मिले।

व्यवस्था चुस्त नहीं हुई तो होगी कार्रवाई: एडीसीपी

कानपुर कमिश्नरेट के थाना ककवन में एडीसीपी की सख्त पड़ताल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

ककवन/कानपुर। थाना स्तर पर कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम कपिल देव सिंह ने शुक्रवार को थाना ककवन का अर्धवार्षिक निरीक्षण कर पुलिस महकमे में हलचल मचा दी। निरीक्षण के दौरान एडीसीपी ने न सिर्फ कागजी अभिलेख देखे, बल्कि पूरे थाना परिसर का ग्राउंड रियलिटी चेक करते हुए विभागीय अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही पर कड़ा संदेश दिया। एडीसीपी ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, साइबर हेल्प डेस्क और मिशन शक्ति कक्ष में पहुंचकर कार्यप्रणाली का बारीकी से परीक्षण किया। रजिस्टर, ऑनलाइन एंट्री, तकनीकी उपकरण, पीड़ितों की सुनवाई और शिकायत निस्तारण की पूरी प्रक्रिया की परत-दर-परत जांच की। उन्होंने स्पष्ट कहा थाने में आने वाला हर व्यक्ति सम्मान और त्वरित समाधान का हकदार है। इस दौरान एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह, ककवन थाना अध्यक्ष सुमित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा

शस्त्रागार, हवालात व बैरक की भी गहन जांच

एडीसीपी ने असलहों की सफाई, रख-रखाव और सुरक्षा मानकों को परखा। हवालात की स्वच्छता, बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस बैरक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मौजूद पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए स्वच्छता और अनुशासन पुलिस की पहचान है, इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं चलेगी।

निरीक्षण के दौरान लंबित प्रार्थना पत्रों, शिकायतों और विवेचनाओं की सूची देखकर एडीसीपी ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने विवेचकों को स्पष्ट चेतावनी दी अनावश्यक विलंब और गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जिम्मेदारी तय की जाएगी।

लंबित प्रकरणों पर नाराज़गी, समयबद्ध निस्तारण का आदेश

थाने की कार्यप्रणाली में सुधार के संकेत

निरीक्षण के बाद माना जा रहा है कि एडीसीपी की इस विशेष पड़ताल से थाना ककवन की कार्यप्रणाली में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है। उच्चाधिकारियों का सीधा दबाव अब थाना स्तर पर पारदर्शिता थाने की कार्यप्रणाली में सुधार के संकेत

निरीक्षण के बाद माना जा रहा है कि एडीसीपी की इस विशेष पड़ताल से थाना ककवन की कार्यप्रणाली में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है। उच्चाधिकारियों का सीधा दबाव अब थाना स्तर पर पारदर्शिता और तेज़ निस्तारण को और मजबूती देगा।इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर भी मौजूद रहे। एडीसीपी के कड़े निर्देशों ने साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में पुलिस व्यवस्था में ढिलाई के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।और तेज़ निस्तारण को और मजबूती देगा।इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर भी मौजूद रहे। एडीसीपी के कड़े निर्देशों ने साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में पुलिस व्यवस्था में ढिलाई के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।

सबसे पहले लक्ष्य हासिल कर सुनील बने स्टार बीएलओ!

बूथ की जिम्मेदारी एक सप्ताह पहले पूरी कर तहसील में अपने नाम का झंडा गाड़ा

»अधिकारियों ने दफ्तर में बुलाकर सम्मानित किया।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बीच जहां सर्वर समस्या और तकनीकी रुकावटों से अधिकतर बीएलओ जूझते नजर आए, वहीं बिल्हौर तहसील में बीएलओ सुनील ने अपने तेज और सटीक कार्य से अलग पहचान बनाई है। भाग संख्या 164 के कुल 958 मतदाताओं का पूरा विवरण उन्होंने निर्धारित समय से एक सप्ताह पहले ही ऑनलाइन फीड कर दिया। यह उपलब्धि उन्हें तहसील में पहला स्थान दिलाने के साथ-साथ अभियान के सबसे सक्रिय और जिम्मेदार बीएलओ के रूप में स्थापित करती है। सुनील की इसी कार्यकुशलता को देखते हुए एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित तथा तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने उन्हें कार्यालय में साल-माला पहनाकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने उनकी निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ कर्मचारी ही अभियान की सफलता सुनिश्चित करते हैं।

तहसील परिसर में सुनील की उपलब्धि चर्चा का विषय बनी हुई है। प्रशासन इसे एक आदर्श उदाहरण मानते हुए अन्य बीएलओ के लिए प्रेरणा बता रहा है। स्वराज इंडिया से

बातचीत में बीएलओ सुनील ने बताया कि मुझे भाग संख्या 164 विद्यालय बेदीपुर की जिम्मेदारी मिली थी, जिसमें 958 मतदाता थे। उनमें से 823 मतदाताओं की फीडिंग हो चुकी है। बाकी 135 लोग या तो अन्यत्र बस गए या उनका निधन हो चुका था, इसलिए वे रिजेक्ट हुए हैं। कहा कि एसडीएम,तहसीलदार और नायब तहसीलदार सीपी राजपूत सर के मार्गदर्शन से लगातार ऊर्जा मिलती रही। सुनील ने आगे बताया कि अपने बूथ का काम सौ प्रतिशत पूरा करने के बाद अब वह अन्य बीएलओ की भी मदद कर रहे हैं, ताकि पूरी तहसील समय से लक्ष्य हासिल कर सके और जिले में बिल्हौर का नाम ऊपर आए। बिल्हौर में सुनील की यह उपलब्धि न सिर्फ प्रशासन के लिए मिसाल बनी है, बल्कि पूरे एसआईआर अभियान के लिए एक प्रेरक कहानी भी है।

मनरेगा कार्यों में अनियमितता की जांच तेज, छह पर एफआईआर

लाखों रुपये की गड़बड़ियों की शिकायत के बाद तेज हुआ एक्शन

फॉलोअप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सैंबसू ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्यों को लेकर उठी शिकायतों के बाद प्रशासन ने जांच की गति बढ़ाते हुए शुक्रवार को छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। यह कार्रवाई खंड विकास अधिकारी नेमचन्द्र द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर बिल्हौर थाने में की गई। लोकपाल के संज्ञान में आने के बाद मनरेगा कार्यों की विस्तृत जांच कराई गई थी। जांच में कुछ मदों में अनियमितता की संभावना सामने आई, जिसके आधार पर कुल 15 लोगों के विरुद्ध वसूली की संस्तुति की गई थी।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक जांच रिपोर्ट में शामिल अन्य लोगों से जुड़े तथ्यों और दस्तावेज़ों का भी परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सभी बिंदुओं की पुष्टि के बाद ही अगली कार्रवाई तय होगी। यदि आवश्यक हुआ, तो संबंधित लोगों से आर्थिक वसूली की प्रक्रिया भी लागू की जा सकती है।

छह नामों पर दर्ज हुआ मामला

प्रारंभिक जांच और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जिन छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है, उनके नाम इस प्रकार हैं–

- बिमलेश मिश्रा (ग्राम प्रधान)
- ज्ञानवीर (सचिव)

- संदीप कुमार (सचिव)
- शिवपाल (सचिव)
- इन्द्र कुमार (तकनीकी सहायक)
- प्रमोद कुमार (तकनीकी सहायक)

प्रशासन का कहना है कि यह कदम मामले को आगे विधिक प्रक्रिया में लाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

पंचायत स्तर पर निगरानी बढ़ी

मामले के सामने आने के बाद पंचायत स्तर पर मनरेगा कार्यों की मॉनिटरिंग को लेकर प्रशासन और अधिक सतर्क हो गया है। ब्लॉक प्रशासन प्रकरण की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है, ताकि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और पूरी तरह कानूनी दायरे में रहकर पूरी हो सके।

फिलहाल, सभी की निगाहें इस मामले की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

सम्पादकीय

सात राज्यों की साझा पहल लाएगी रंग

आज सिर्फ पंजाब-हरियाणा ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था।

यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं।इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और 'एक टीम, एक रणनीति' पर काम करें। साथ ही जरूरी है कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करें। इस दौरान सात राज्यों के अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने व नकली दवाइयों पर रोक लगाने के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। इस नई चुनौती के मुकाबले के लिए विशेष प्रशिक्षण और सात राज्यों के ड्रग कंट्रोलरों और पुलिस अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। इसमें दो राय नहीं कि यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबल डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है।

खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतरराज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है।

भविष्य के मिशनों के लिए खतरा अंतरिक्ष का कचरा

ज्योति मल्होत्रा

मलबे के लगभग 30,000 टुकड़े इस समय पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें हजारों छोटे टुकड़े ट्रैक नहीं किए गए। ये किसी उपग्रह या अंतरिक्ष स्टेशन के लिए खतरनाक हैं। कल्पना कीजिए कि आप पृथ्वी का चक्कर लगा रहे... मलबे के लगभग 30,000 टुकड़े इस समय पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें हजारों छोटे टुकड़े ट्रैक नहीं किए गए। ये किसी उपग्रह या अंतरिक्ष स्टेशन के लिए खतरनाक हैं।कल्पना कीजिए कि आप पृथ्वी का चक्कर लगा रहे एक स्पेस स्टेशन पर फंस गए हैं और घर वापसी के लिए कोई यान मौजूद नहीं है। चीन के तीन अंतरिक्ष यात्री इस समय इसी स्थिति का सामना कर रहे हैं।

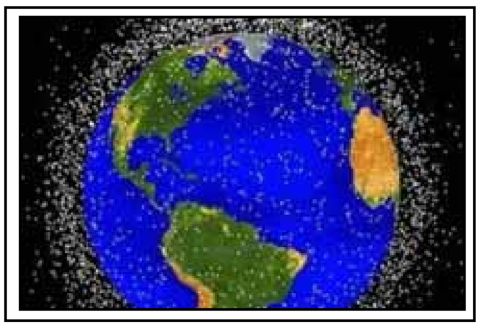

पिछले कुछ दिनों से तीनों अंतरिक्ष यात्री तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं। उनके पास वापसी के लिए कोई ठीक-ठाक यान उपलब्ध नहीं है। उनके पास जो एकमात्र यान मौजूद था, वह नवंबर की शुरुआत में अंतरिक्ष मलबे से टकरा गया था, जिससे यान का व्यूइंग पोर्ट टूट गया था। चीन की मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) ने एक बयान में कहा कि टक्कर का कारण अंतरिक्ष मलबे का एक छोटा-सा टुकड़ा था। पिछले दो सालों में यह दूसरा मौका है जब अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हैं। नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने फंसे रहने के बाद इस साल मार्च में सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस आ गए थे। नासा के अंतरिक्ष यात्रियों को सिर्फ आठ दिन तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रुकना था लेकिन रिटर्न क्राफ्ट में तकनीकी समस्याओं के कारण उन्हें मजबूरन नौ महीने तक अंतरिक्ष में रखना पड़ा। अंतरिक्ष मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों का इस तरह फंसना बहुत चिंता की बात है। अंतरिक्ष में सक्रिय देशों ने अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए कई मिशन भेजने की योजनाएं बनाई हैं। इनमें मानव मिशन भी शामिल हैं। अंतरिक्ष में फंसने की नवीनतम घटना यह दर्शाती है कि अंतरिक्ष में मिशनों के सफल संचालन के लिए अंतरिक्ष कबाड़ की समस्या को हल करना कितना जरूरी है। जैसे-जैसे पृथ्वी की कक्षा मलबे से भर रही है, टकराव का खतरा तेजी से एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। वर्ष 2021 में मलबा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से टकराया था, जिससे रोबोटिक आर्म के एक हिस्से को नुकसान पहुंचा था। हाल के सालों में अंतरिक्ष स्टेशन को कई बार उड़ते हुए अंतरिक्ष कचरे से बचना पड़ा है। पृथ्वी से छोड़े जाने वाले उपग्रहों की संख्या बढ़ने से अंतरिक्ष में मलबा भी तेजी से जमा हो रहा है। मलबे के लगभग 30,000 टुकड़े इस समय पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें हजारों छोटे टुकड़े शामिल नहीं हैं जिन्हें ट्रैक नहीं किया जा सकता। ये निश्चित रूप से किसी उपग्रह या अंतरिक्ष स्टेशन को नुकसान पहुंचाने के लिए पर्याप्त रूप से खतरनाक हैं। यह सारा कचरा एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। अगर हम अंतरिक्ष को साफ नहीं रखेंगे, तो भविष्य के मिशनों के रास्ते में रुकावट आ सकती है या वे बंद हो सकते हैं। इनमें मौसम उपग्रह, जीपीए सिस्टम, इंटरनेट सेवाएं और अंतरिक्ष यात्राएं शामिल हैं। अंतरिक्ष में बढ़ती अराजकता पर नियंत्रण पाने के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने 'अंतरिक्ष पर्यावरण स्वास्थ्य सूचकांक' प्रस्तुत किया है जो यह दर्शाता है कि अगले 200 वर्षों में पृथ्वी की कक्षा कितनी स्वस्थ या तनावग्रस्त रहेगी। यह सवाल पूछा जा सकता है कि एजेंसी ने 200 वर्ष का समय क्यों चुना? अंतरिक्ष का कचरा अपने आप गायब नहीं होता। यह अंतरिक्ष में बना रहता है और तेज गति से पृथ्वी का चक्कर लगाता है। इससे और दशकों या सदियों तक टक्कर का जोखिम बढ़ जाता है। यह नया सूचकांक वर्तमान अंतरिक्ष गतिविधियों के दीर्घकालिक प्रभाव को एक अंक में दर्शाने के लिए बनाया गया है।

साझा सहमति में ही जलवायु परिवर्तन का विकल्प

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित

ज्वाला सिंह दास

कॉप-30 सम्मेलन ने जलवायु संकट के समाधान में साझा सहमति का संकेत दिया, लेकिन जीवाश्म ईंधन, वित्तीय सहायता और प्रभावी कार्रवाई पर मतभेद बने रहे, जो समाधान की राह को जटिल बनाते हैं। विगत दिनों ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कॉप-30 सम्पन्न हो गया। सम्मेलन के अंत में, जैसी पहले से उम्मीद थी, सभी देशों का मिलकर काम करने का संकल्प लेना संभव नहीं दिखा। सम्मेलन के आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जो खींचतान हुई, वह दुनिया को आश्वस्त करने की दिशा में विश्वसनीय नहीं प्रतीत हुई। यही नहीं,

सम्मेलन में अनिश्चितता का आलम यह रहा कि जीवाश्म ईंधन से जुड़ी वैश्विक योजना का उल्लेख पहले ड्राफ्ट में किया गया था, जिसे बाद में संशोधित ड्राफ्ट से हटा दिया गया।

इससे यह साफ हो गया कि जीवाश्म ईंधन का मुद्दा आने वाले दौर में भी अनसुलझा ही रहेगा। जैसा कि 11 नवम्बर को सम्मेलन की शुरुआत में यह उम्मीद बंधी थी कि सम्मेलन में भाग लेने वाले दुनियाभर के देश ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ किसी ठोस नतीजे पर पहुंच जाएंगे, आखिरकार सम्मेलन जिस मुकाम पर पहुंचा, उसने साबित कर दिया कि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने के मामले में सम्मेलन कुछ भी करने में नाकाम रहा।

इसके बावजूद सम्मेलन में हुई जलवायु वार्ता को कई मायनों में अभूतपूर्व कहा जा रहा है। इसका

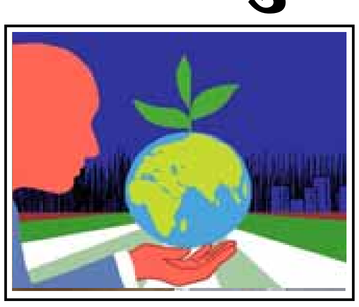

अहम कारण यह रहा कि सम्मेलन में मौजूद दुनियाभर के 194 देशों ने तमाम तरह के मतभेदों, तनावों और अमेरिका की गैर-मौजूदगी के बावजूद एक ऐसे पैकेज पर सहमति दर्ज की। गौरतलब है कि जलवायु मुद्दे पर इसे बेलेम पॉलिटिकल पैकेज की संज्ञा दी जा रही है। उम्मीद है कि यह पैकेज वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की राह आसान करेगा। दरअसल, दुनियाभर के 194 देशों की जलवायु मुद्दे पर एकमत से सहमति यह जाहिर करती है कि अब जलवायु मुद्दा वैश्विक नेतृत्व का सवाल नहीं रह गया है और न ही यह नैतिक मुद्दा है, बल्कि अब यह आर्थिक सुरक्षा और विकास का भी सवाल बन चुका है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आज दुनिया बेहद गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसके बावजूद, अधिकांश देशों ने वैश्विक तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस के नीचे रखने और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई है। तेजी से बढ़ता हुआ कार्बन उत्सर्जन और तापमान में वृद्धि मानव अस्तित्व के लिए गंभीर खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। इसके पीछे प्रमुख कारण विकसित देशों का अपनी कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रति संजीदगी से काम न करना है। जबकि इन देशों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए निर्धारित समय सीमा से पहले 'नेट जीरो' लक्ष्य हासिल करने की दिशा में कदम उठाना चाहिए था, क्योंकि इन देशों का कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ा योगदान है।

यह जानते हुए कि अब हमारे पास समय बहुत कम बचा है और पेरिस समझौते को प्रभावी रूप से लागू करना अत्यंत आवश्यक है, मुख्य रूप से तीन सवालों पर विचार करना जरूरी है। पहले, दुनियाभर के देशों द्वारा जलवायु कार्रवाई को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। दूसरे, तकनीक, राहत राशि और वित्तीय सहायता उन देशों तक कैसे पहुंचाई जा सकती है, जो इससे सबसे अधिक प्रभावित हैं और जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। तीसरे, जलवायु कार्रवाई को समग्र और समावेशी तरीके से कैसे लागू किया जा सकता है। इन तीन प्रश्नों के मध्य ही समग्र जलवायु समाधान की दिशा तलाशनी होगी।मौजूदा देशों ने यह स्वीकार किया कि विकासशील देशों के हितों को प्राथमिकता देना अब समय की आवश्यकता है।

तहसील सदर में लेखपालों के आंदोलन को कांग्रेस का खुला समर्थन

जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला पहुँचकर हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सरकार को मांगो पर ध्यान देना चाहिए

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । प्रदेश में चल रहे लेखपालों के राज्यव्यापी आंदोलन को कांग्रेस ने अपना समर्थन देते हुए सरकार पर दबाव बढ़ाने के संकेत दिए हैं। तहसील सदर मुख्यालय में चल रहे लेखपालों के धरने पर जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला पहुँचे और लेखपाल संघ के अध्यक्ष शरद शुक्ला को कांग्रेस पार्टी का समर्थन पत्र सौंपा। संदीप शुक्ला ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर पूरे प्रदेश में लेखपालों की जायज़ माँगों के समर्थन में पार्टी खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वर्षों से लंबित मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है, जिससे हजारों लेखपालों में रोष है।

धरने पर मौजूद लेखपालों ने बताया कि उनके वार्षिक वेतनमान, पदोन्नति, सुरक्षा और कार्यभार सम्बन्धी मुद्दों पर सरकार ने कई दौर की वार्ता के बावजूद अमल नहीं किया है।

इसी कारण राज्यभर में चरणबद्ध आंदोलन जारी है।धरना स्थल पर पहुँची कांग्रेस टीम ने सरकार से अविलंब वार्ता कर लेखपालों की समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई। पार्टी नेताओं का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, कांग्रेस आंदोलनरत लेखपालों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें दोहराईं।

जीएसवीएम की पूर्व प्राचार्य आरती लाल चंदानी कोर्ट में तलब

डॉ. परवेज खान ने पांच साल पहले क्रिमिनल डेफेमेशन (आपराधिक मानहानि) सूट दाखिल किया था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । जीएसवीएम की पूर्व प्राचार्य डॉ. आरती लाल चंदानी को न्यायालय ने तलब किया है। डॉ. परवेज खान ने पांच साल पहले क्रिमिनल डेफेमेशन (आपराधिक मानहानि) सूट दाखिल किया था। न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर तय की गई है।

जीएसवीएम कालेज में तैनात आई स्पेशलिस्ट डॉ. परवेज खान ने अगस्त 2020 में क्रिमिनल डेफेमेशन सूट दाखिल किया था। डॉ. आरती लाल चंदानी उस समय कालेज में प्राचार्य के पद पर थीं। उसी दौरान एक वैकेंसी निकली थी। आरोप है कि प्राचार्य ने अन्य सभी आवेदकों को फेल करके एक सीनियर रेजीडेंट को नियुक्त करने की बात कही।

डॉ. परवेज का कहना है कि उन्होंने ऐसा करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद उनके खिलाफ साजिश रची गई।

वहीं, डॉ. आरती लाल चंदानी ने बताया कि उन्हें समन की जानकारी नहीं है। हां, यह सही है कि डॉ. परवेज ने मानहानि वाद दाखिल किया था। कहाकि कई ऐसे साक्ष्य है जिन्हें कोर्ट में रखेंगे।

सोशल मीडिया पर छवि खराब करने का है आरोप

डॉ. परवेज खान का आरोप था कि प्रिंसिपल रहते हुए डॉ. लालचंदानी ने उन पर यह आरोप लगाए थे कि वह जूनियर डॉक्टरों से बिजली का बिल, मोबाइल जमा कराने और पास कराने के नाम पर पैसों की अवैध वसूली करते हैं। यही नहीं, उन्होंने इन आरोपों को सोशल मीडिया पर भी वायरल किया, जिससे मेरी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा। इसी आधार पर डॉ. खान ने उनके खिलाफ क्रिमिनल डेफेमेशन कोर्ट में वाद दायर किया था।

14 घंटे ठप रहेगी केस्को की ऑनलाइन बिलिंग सेवा

» बिजली बिल राहत योजना के लिए होगा सिस्टम मेंटीनेंस का कार्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यूपीपीसीएल और केस्को की ऑनलाइन बिलिंग प्रणाली आज रात से 14 घंटे के लिए बंद रहने वाली है। केस्को मिडिया प्रभारी देवेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि बिजली बिल राहत योजना को लागू करने के तहत आवश्यक कॉन्फ़िगरेशन कार्य किया जा रहा है। इसी वजह से 29 नवंबर की रात 10 बजे से 30 नवंबर दोपहर 12 बजे तक ऑनलाइन बिलिंग से जुड़ी सभी सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहेंगी। इस अवधि में ऑनलाइन उपभोक्ता पोर्टल, यूपीपीसीएल कंज्यूमर ऐप, बिल भुगतान, स्मार्ट मीटर रिचार्ज, बिल जनरेशन और लोड बढ़ाने से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी। अधिकारियों के अनुसार, निर्धारित समय के बाद सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो जाएंगी। इस दौरान किसी भी समस्या या सहायता के लिए उपभोक्ता 1912 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं।

शुक्लागंज में गंगा मैली,पांच बड़े नालों की गंदगी सीधे नदी में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शुक्लागंज में नगर पालिका गंगाघाट की लापरवाही के कारण पाँच बड़े नालों का लाखों लीटर प्रदूषित पानी सीधे गंगा नदी में गिर रहा है। वहीं, गंगा को स्वच्छ रखने के लिए बायोरेमेडिएशन का कार्य केवल कागजों पर कराने का आरोप है।

शुक्लागंज में नगर पालिका गंगाघाट की लापरवाही के कारण गंगा नदी में पांच बड़े नालों का पानी जा रहा है, जिससे गंगा नदी मैली हो रही हैं। सरकार गंगा का स्वच्छ रखने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन पालिका प्रशासन बायोरेमेडिएशन का कार्य कागजों पर करा रहा है। नालों के मुहानों पर बायोरेमेडिएशन के संसाधन सिर्फ देखने के लिए रखे गए हैं मिश्रा कॉलोनी, पुरानी बाजार रेल गंगापुल, रविदासनगर, इंदिरानगर और अहमद नगर के नाले गंगा में सीधे गिर रहे है। गंगा में प्रदूषित पानी जाने से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतें होने के साथ ही जलीय जीवों पर भी खतरा मड़राने लगा है। गंगा नदी की मुख्य धारा कानपुर की ओर हो गई है जिससे नगर के 28 वार्डो का लाखों लीटर गंदा पानी रोजाना रेती से होकर नदी में समा रहा है।इधर पालिका प्रशासन पानी शोधित करने के लिए बायोरेमेडिएशन का कार्य केवल कागजों पर करा रही है। नालों के मुहानों पर संयंत्र तो लगे है लेकिन गंदे पानी को साफ करने वाला केमिकल गायब है।

ऑन-डिमांड नशा सप्लाई रैकेट का भंडाफोड़ हाई-प्रोफाइल ग्राहकों की मिली सूची

सुभाष नगर से तीन सप्लायर गिरफ्तार, टीएचसी-कोकीन समेत क्रशर, स्कूटी और नकदी बरामद

»प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी थाना पुलिस ने शहर में चल रहे ऑन-डिमांड हाई-प्रोफाइल ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन सप्लायरों को सुभाष नगर से गिरफ्तार किया है। आरोपी वॉट्सएप ग्रुप के जरिए युवकों, युवतियों और हाईफाई सोसाइटी के लोगों तक विदेशी नशा सप्लाई करते थे। एक पुड़िया हजारों रुपये में बिकती थी और सप्लाई ग्राहकों की कार, अपार्टमेंट और पार्टी स्पॉट तक दी जाती थी।

छापेमारी में पुलिस को 100.38 ग्राम टीएचसी, 3.45 ग्राम कोकीन, स्कूटी, क्रशर, छोटी पन्नियां, 25 हजार नकद और मोबाइल फोन मिले हैं। विदेशी टीएचसी की कीमत करीब 10 लाख रुपये और कोकीन लगभग 20 हजार रुपये प्रति ग्राम बताई जा रही है।गिरफ्तार आरोपियों में कुनाल गुप्ता, अर्जुन सिंह उर्फ ट्विंकल और मनीष उर्फ मन्नू शामिल हैं। ये लोग किराए के फ्लैट में रहकर नेटवर्क चलाते थे और काकादेव, स्वरूप नगर, गोविंद नगर, सिविल लाइंस सहित कई इलाकों में ग्राहक जोड़ रखे थे।

वॉट्सएप पर डिमांड,स्कूटी से डिलीवरी

आरोपियों के मोबाइल में कई वॉट्सएप ग्रुप मिले, जिनमें कस्टमर लोकेशन, गाड़ी नंबर और भुगतान की जानकारी भेजते थे। सप्लायर स्कूटी से पहुंचकर ग्राहक की कार या बैग में नशा डाल देते थे और पेमेंट ऑनलाइन हो जाती थी।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह नशा हिंदुकुश पहाड़ियों में मिलने वाले एक विशेष फूल से तैयार होता है, जो विदेशों से भारत आता है। इसकी सर्वाधिक मांग उन युवाओं में है जो थाईलैंड, सिंगापुर जैसे देशों की पार्टियों का अनुभव लेकर लौटते हैं।

शहर की हाई सोसाइटी और पूल पार्टी सर्कल में भी इसकी सप्लाई होती थी।पुलिस को मिले नंबरों और चैट में पता चला है कि सप्लाई लेने वालों में महिलाएं, युवतियां और कोचिंग स्टूडेंट भी शामिल हैं। कई हाई-प्रोफाइल नाम सामने आ सकते हैं।

एसीपी सुमित रामटेके ने बताया कि यूपी में टीएचसी की यह दूसरी बरामदगी है पहली लखनऊ और अब कानपुर में।

जेसीपी (हेडक्वार्टर एंड क्राइम) विनोद कुमार ने कार्रवाई करने वाली टीम को 25 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस अब गैंग लीडर और जुड़े ग्राहकों की तलाश में तेजी से जांच आगे बढ़ा रही है।

आवारा सांड का हमला, किसान घायल

»पाली गांव में खेत पर पानी लगाते समय पीछे से किया हमला

»प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र के पाली गांव में गुरुवार सुबह खेत में पानी लगा रहे किसान पर अचानक एक आवारा सांड ने हमला कर दिया। हमले में किसान विमलेश कुमार (40) पुत्र रामसेवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, सांड ने पीछे से जोरदार हमला किया।

किसी तरह भागकर विमलेश ने अपनी जान बचाई, लेकिन उन्हें कई गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

गांव वालों ने बताया कि यही सांड पहले भी कई राहगीरों का पीछा कर चुका है। पाली गांव और आसपास के क्षेत्रों में दर्जनों आवारा मवेशी खुले घूम रहे हैं, जिससे आए दिन खतरा बना रहता है।ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा पशुओं को तुरंत पकड़कर गौशाला में भेजने की मांग की है। संबंधित विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आवारा पशुओं की सूचना मिल चुकी है और जल्द ही टीम भेजकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा।

आधी रात को घर में घुसकर 20 लाख की चोरी, परिजन हैरान

»प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। यादव नगर में बेखौफ चोरों ने एक घर में करीब 20 लाख रुपए के जेवरात व 20 हजार नगदी की चोरी की वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए । पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल शुरू की। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत भैसायां ग्राम पंचायत का मजरा यादव नगर निवासी वीरेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि बीती रात्रि को वे अपने परिवार के साथ सो रहे थे।

रात में ही अज्ञात चोर उनके घर में घुसे और करीब 20 लाख रुपए के जेवरात व 20 हजार नगदी लेकर फरार हो गए। चोरों ने घर में घुसकर कमरे के दरवाजे का ताला तोड़कर सेफ से सोने चांदी के जेवरात और नगदी पार की। कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है जांच पड़ताल की जा रही है।

पब्लिक को डराने के लिए एसआईआर: अखिलेश सिंह यादव

कहा कि सरकार बनने पर बलवंत और मड़ौली कांड पीड़ितों को न्याय मिलेगा

» सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के माता-पिता की मूर्ति का अनावरण करने आए अखिलेश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। सराय गांव में आयोजित कार्यक्रम में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि सरकार दावा करती है कि लखनऊ से कानपुर 45 मिनट में पहुँचा जा सकता है, लेकिन उन्हें ढाई घंटे लग गए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सरकार के झूठे दावों पर भरोसा न करें।

अखिलेश यादव पूर्व जिलाध्यक्ष लाखन सिंह यादव के गांव सरायं में रामदुलारी मेमोरियल महाविद्यालय के मुलायम सिंह यादव सभागार का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यहां उन्होंने लाखन सिंह के माता-पिता की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया। इस दौरान वे कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने शिवली के बलवंत हत्याकांड पर कहा कि पुलिस ने बलवंत की हत्या की है और समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। मड़ौली कांड का जिक्र करते हुए कहा कि कब्ज़ा हटाने की कार्रवाई के दौरान मां-बेटी की दर्दनाक मौत सरकार की कार्यशैली पर बड़ा सवाल है। वहीं विकास दुबे प्रकरण पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि गाड़ी इसलिए पलटाई गई ताकि सरकार न पलट जाए।

समय सीमा तीन माह बढ़ाने की मांग

अखिलेश यादव ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बिहार में आजमाई गई और अब इसे जनता को डराने के लिए लागू किया जा रहा है। बीएलओ को ठीक से प्रशिक्षण तक नहीं दिया गया, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से एसआईआर की समय सीमा तीन माह बढ़ाने की मांग की। आरोप लगाया कि भाजपा जल्दबाजी में यह प्रक्रिया सिर्फ वोटों पर असर डालने के लिए करा रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के मुद्दे पर बोलते हुए अखिलेश ने आदिवासियों को भी इस श्रेणी में शामिल करने की बात कही।

कार्यक्रम में फतेहपुर सांसद नरेश उत्तम पटेल, जालौन-गरौठा-भोगनीपुर सांसद नारायण दास अहिरवार, इटावा सांसद जीतेन्द्र दोहरे, जिलाध्यक्ष अरुण यादव बब्लू राजा, विधायक अमिताभ बाजपेई, पूर्व विधायक सतीश निगम, पूर्व जिलाध्यक्ष लाखन सिंह यादव, वीर सेन यादव, पूर्व सांसद राजराम पाल, पूर्व विधायक मिथलेश कटियार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामसिंह यादव, पूर्व एमएलसी कल्लू यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैंक के बाहर किसान से 36 हजार की टप्पेबाजी

» रूरा क्षेत्र में आए दिन होती है घटनाएं, नहीं लग रहा अंकुश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। रूरा क्षेत्र के गहोबा गांव के रहने वाले एक किसान को टप्पेबाजो ने अपना निशाना बना लिया। बैंक के बाहर से 36 हजार रुपए की टप्पेबाजी कर ली गई। जब पीड़ित किसान को अपने साथ हुई घटना की जानकारी हुई तो थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। रूरा थाना क्षेत्र के गहोबा गांव के रहने वाले किसान रामपाल ने एक सप्ताह पहले अपनी भैंस बेची थी। भैंस के बेचने के 36 हजार रूपये घर में रखे थे। शुक्रवार को दोपहर 2 बजे वो पैसे जमा करने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रूरा आया था। जैसे ही वो बैंक के अंदर पैसे जमा करने का बाउचर भरने लगा उसी दौरान उसके पास एक व्यक्ति आया और बोला कि तुम्हारा बाउचर गलत भरा है। चलो बाहर आधार कार्ड से पैसे जमा करवा दे हमें भी जमा करना है। हम भी जनसेवा केंद्र पर बाहर जमा करने जा रहे है। पीड़ित किसान उसकी बात पर भरोसा कर बाहर आ गया तो वहां उसका एक साथी आया इतने में बैंक में मिले व्यक्ति ने कहा कि तुम इनको अपने पैसे दे दो मेरे पास ये दो लाख रुपए है। इससे तुमको हम पैसे दे देंगे और उस व्यक्ति ने एक कपड़े में बंधा एक बंडल दे दिया और किसान से जनसेवा केंद्र पर चलने को कहा। इसी दौरान दोनों व्यक्ति वहां से लापता हो गए। जब किसान ने कपड़ा खोला तो उसमें पैसे नहीं बल्कि कागज के टुकड़े थे। पीड़ित ने थाने में शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी के साथ ही टप्पेबाजों की तलाश की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

दीवार तोड़ी, हाथ तोड़ा अब समझौते की लीपापोती

कैंट थाना पुलिस पर संगीन आरोप

» घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, पुलिस बोली सभी आरोप निराधार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। कैंट थाने पर गंभीर आरोपों के बाद तिकोनिया पार्क शुक्रवार को अचानक हंगामे का केंद्र बन गया। बनबीर गांव निवासी राजकुमार सिंह अपने गांव के कई लोगों के साथ थाने की कार्यप्रणाली के खिलाफ धरने पर बैठ गए। आरोप है कि पुलिस ने मारपीट कर उनका हाथ तोड़ दिया, घर की दीवार तोड़ दी और फिर पूरे मामले पर लीपापोती शुरू कर दी। इसी घटना से जुड़ा सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कुछ लोग सीसीटीवी के सामने बल्ब निकालते और मारपीट करते दिख रहे हैं।

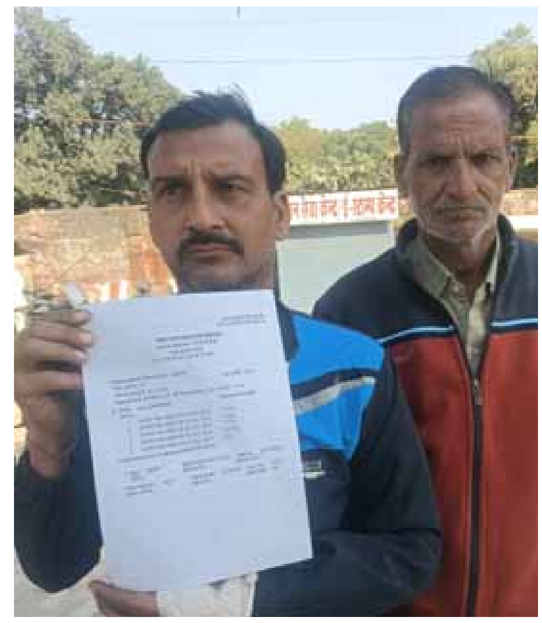

हालांकि स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, लेकिन यह स्थिति को और संदिग्ध बनाता है।

पीड़ित राजकुमार सिंह ने बताया कि झगड़े की सूचना देने और न्याय की उम्मीद से वे रात में कैंट थाने पहुंचे थे लेकिन वहीं से उनके साथ सब कुछ शुरू हुआ।

राजकुमार का आरोप है कि पुलिस ने उनसे मारपीट की उनका हाथ तोड़ दिया, घर की दीवार गिरा दी और मामले को दबाने के लिए क्रॉस मुकदमा लिखने की तैयारी शुरू कर दी। थाने की कार्रवाई से नाराज राजकुमार सिंह और ग्रामीणों ने तिकोनिया पार्क में धरना शुरू कर दिया।

लोगों का कहना है पुलिस पक्षपात कर रही है। थानाध्यक्ष मिलीभगत में शामिल हैं। पीड़ित पर ही दबाव बनाकर मामला पलटने की कोशिश हो रही है।

शिकायत दर्ज होने के बजाय मामला दबाने की कवायद दिखाई दे रही है। धरने में बैठे लोगों ने साफ कहा कैंट थाने में न्याय नहीं, समझौते की दलाली चल रही है। जब तक निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होती, धरना जारी रहेगा।

यह मामला एक बार फिर पुलिस कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है क्या कैंट थाने में पीड़ित की जगह ताकतवर पक्ष को तरजीह दी जा रही है? सीसीटीवी के सामने बल्ब निकालने का मतलब क्या सबूत मिटाना था? पुलिस ने रात में पीड़ित को सुनने के बजाय मारपीट क्यों की? आखिर किसके दबाव में मामला दबाने की कोशिश की गई? आरोपो पर कैंट एसएचओ पंकज सिंह का कहना है कि आरोप निराधार है। जो भी कार्यवाही की जा रही है वह निष्पक्ष है।

हंसराजपुर में गैस रिसाव से लगी आग, नवजात की मौत

» राजस्व निरीक्षक और लेखपाल मौके पर पहुंचे, पीड़ित परिवार को मदद का भरोसा दिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बाबा बाजार थाना क्षेत्र के पूरे मल्लाह, मजरा हंसराजपुर में शुक्रवार दोपहर एक ऐसी त्रासदी घटी, जिसने पूरे गांव को दहशत और मातम में डुबो दिया। गैस सिलेंडर की पाइप लीक होने से लगी आग ने महज तीन माह की नवजात बच्ची की जान ले ली।

रामधन निषाद के घर के बगल में बनी छप्पर की झोपड़ी में अचानक गैस रिसाव हुआ और पलक झपकते ही आग की लपटें आसमान छूने लगीं। घरवाले कुछ ही कदम दूर बैठे थे, जिन्हें अपनी जान बचाने के लिए बाहर भागना पड़ा, लेकिन उसी समय झोपड़ी के भीतर सो रही तीन माह की मासूम उसके लिए बाहर निकलने का रास्ता नहीं बचा। गांव में दो दिन पहले ही खुशियों का माहौल था रामधन के बेटे श्यामू की शादी हुई थी। बहन कैलाशा इसी खुशी में शामिल होने आई थी, और उसी के संग आई उसकी नन्ही बच्ची मौत के मुंह में समा गई। गांव वाले दौड़े, बाल्टी और हैंडपंप के पानी से आग बुझाई। तब तक झोपड़ी राख हो चुकी जिसमें नवजात की भी मौत हो गई। बाबा बाजार थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार आजाद ने घटना की पुष्टि की और बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम को भेज दिया। राजस्व निरीक्षक और लेखपाल मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को मदद का भरोसा दिया।

सिलेंडर सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

क्या ग्रामीण इलाकों में गैस सिलेंडर सुरक्षा जांच सिर्फ कागज़ों में है? क्या गरीब परिवारों को सुरक्षित कनेक्शन और पाइप परीक्षण का कोई तंत्र मौजूद है?क्या हादसा टाला जा सकता था, यदि समय पर रिसाव की जांच होती तो यह घटना टल सकती थी? इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर साबित किया कि सिस्टम की लापरवाही से सुरक्षा मानकों पर किसी की निगाह नहीं जाती। हंसराजपुर की यह त्रासदी सिर्फ एक खबर नहीं यह सवाल है गैस सुरक्षा की असलियत पर, यह चुभन है गांवों की उपेक्षा की, और यह दर्पण है उस व्यवस्था का, जहाँ सहायता हमेशा घटना के बाद ही मिलती है।

क्राइम की विवेचना करते करते शातिरों से 'सांठगांठ' कर बैठा सिपाही!

केरल पुलिस ने दबोचा, प्रतापगढ़ एसपी ने किया निलंबित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रतापगढ़। जिले की सर्विलांस सेल में करीब छह वर्षों से तैनात सिपाही प्रवीण नयन की काबिलियत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। अपराधियों की कुंडली खंगालने में माहिर यह सिपाही खुद अपराधियों की काली दुनिया में ऐसा फँसा कि केरल पुलिस तक उसे अपने साथ ले गई। मामला सामने आते ही प्रतापगढ़ के एसपी दीपक भूकर ने उसे तत्काल निलंबित कर दिया।

सूत्रों के मुताबिक प्रवीण नयन सर्विलांस सेल में कॉल डिटेल निकालने, लोकेशन ट्रेस करने और जटिल तकनीकी विश्लेषण में 'मास्टरमाइंड' माना जाता था। इसकी वजह से वर्षों से उसका ट्रांसफर भी टलता रहा। लेकिन इसी दौरान वह एक दिल्ली निवासी महिला के संपर्क में आया। महिला अपराधियों के लिए उससे कॉल डिटेल निकलवाती थी, और धीरे-धीरे

प्रवीण नयन सीधे शातिर अपराधियों से जुड़ गया। बताया जा रहा है कि वह आर्थिक अपराधों में भी उनकी मदद करने लगा था।पिछले सप्ताह अवकाश लेकर दिल्ली पहुँचा तो केरल पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कई दिनों तक उससे पूछताछ हुई और इसी बीच वह जिले में गैरहाजिर भी हो गया। मामला संज्ञान में आते ही प्रतापगढ़ एसपी दीपक भूकर ने तत्काल प्रभाव से उसे निलंबित कर दिया।एसपी ने कहा कि किसी आर्थिक अपराध के मामले में सर्विलांस सेल का सिपाही केरल पुलिस की हिरासत में है। वहीं से विवेचना चल रही है। जानकारी मिलते ही उसे निलंबित कर दिया गया है। सर्विलांस सेल में तकनीकी विशेषज्ञता के लिए मशहूर प्रवीण नयन का इस तरह अपराधियों की संगत में फँस जाना विभाग के लिए भी बड़ा सवाल खड़ा कर गया है। पुलिस विभाग के भीतर तकनीकी इकाइयों में बढ़ती संवेदनशीलता और उनकी निगरानी की आवश्यकता पर भी गंभीर संकेत देता है।

बहराइच जिले में भेड़ियों का आतंक

5 साल के मासूम की जान ली

» दो महीने में पाँच बच्चों पर हमला, ग्रामीण दहशत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बहराइच। जिले में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताज़ा घटना में पाँच साल के एक मासूम को भेड़ियों ने घर के बाहर खेलते समय मुंह में दबोच लिया और कुछ दूरी पर ले जाकर मार डाला। हमले में भेड़ियों ने बच्चे के दोनों हाथ खा लिए, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

ग्रामीणों के अनुसार दो भेड़िए अचानक बच्चे पर टूट पड़े और उसे खींच ले गए। परिजन और आसपास मौजूद लोग शोर मचाते हुए पीछे दौड़े, लेकिन तब तक भेड़िए बच्चे को गंभीर रूप से घायल कर चुके थे। मौके पर पहुँचे लोगों ने किसी तरह भेड़ियों को भगाया, लेकिन बच्चा मृत अवस्था में मिला।गौरतलब है कि इसी इलाके में पिछले दो महीनों में पाँच बच्चों पर भेड़ियों के हमले हो चुके हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और भेड़ियों को पकड़ने की तत्काल मांग की है।घटना के बाद प्रशासन और वन विभाग की टीमों ने गाँव में डेरा डाल दिया है। अधिकारियों का कहना है कि समस्या पर काबू पाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। गाँव के लोग अपने बच्चों को बाहर खेलने से रोकने को मजबूर हैं।

समझाने पहुंचे किसान को स्कार्पियो चालक ने कुचलकर मार डाला, पांच घंटे तक हंगामा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा में स्कॉर्पियो चालक ने बाइक सवार किसान को टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर वाहन चालक ने किसान को कुचल दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ठाकुरद्वारा में काशीपुर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर को स्कॉर्पियो चालक ने सामने जा रहे बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे दोनों के चालकों में विवाद होने लगा, ये देख एक किसान दोनों को समझाने चला गया।

आरोप है कि गलती बताने पर स्कार्पियों चालक इतना भड़क गया कि उसने अपनी गाड़ी बाइक सवार को दोबारा टक्कर मारने की कोशिश की, उसके भाग जाने के बाद स्कार्पियों चालक ने किसान को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने स्कार्पियो चालक पर हत्या का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर करीब पांच घंटे तक हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट होगी।

काशीपुर मार्ग पर पशुपति के पास नहर से फरीदनगर को जाने वाले रास्ते पर गांव का फइम बाइक से आ रहा था।

इस बीच काशीपुर से आ रही काले रंग की स्कॉर्पियो की टक्कर उसकी बाइक को लग गई। इसे लेकर बाइक सवार और स्कार्पियो चालक के बीच विवाद होने लगा। यह देखकर पास में ही खेत पर काम कर रहे नगर के मोहल्ला जमुनावाला निवासी किसान हसमत अली उर्फ भोला खां मौके पर पहुंचे और दोनों को समझाने का प्रयास करने लगे।

इसके बाद स्कार्पियो चालक भड़क गया। आरोप है कि इसके बाद उसने पहले बाइक को टक्कर मारी, लेकिन फईम ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचा ली। इसके बाद स्कार्पियो चालक ने किसान हसमत अली को जोरदार टक्कर मार कर कुचल दिया। जिससे किसान की मौत हो गई।

कोतवाली प्रभारी मनोज परमार ने बताया कि पहले स्कॉर्पियो को गांव फरीदनगर का बताया गया था लेकिन जांच में स्कॉर्पियो उत्तराखंड की निकली है। बॉर्डर पर सूर्य पुलिस चौकी पर लगे सीसीटीवी में स्कार्पियों की तस्वीर कैद हो गई है।किसान की हत्या हुई है या दुर्घटना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर और जांच के बाद पता चल सकेगा। आरोपी स्कार्पियो चालक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

दुर्घटना की सूचना पर 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस शव को लेकर नगर के सरकारी अस्पताल पहुंची। यहां करीब पांच घंटे तक मृतक के परिजन नईम और छोटे खां, सपा नेता अख्तर अली खां आदि स्कार्पियो चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करते रहे।

परिजन सीधे तौर पर स्कार्पियो चालक पर किसान की हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बरेली में फिर गरजा बुलडोजरः कुतुबखाना मंडी में नगर निगम ने की कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली। बरेली की कुतुबखाना मंडी में शुक्रवार रात नगर निगम ने अतिक्रमण पर कार्रवाई की। टीम ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया तो खलबली मच गई। पुलिस बल की मौजूदगी में देर रात तक कार्रवाई चलती रही। बरेली में शुक्रवार रात को कुतुबखाना मंडी में अतिक्रमण पर नगर निगम का बुलडोजर गरजा। इस दौरान मजिस्ट्रेट समेत पुलिस बल व नगर निगम का प्रवर्तन दल मौजूद रहा। यह कार्रवाई जिला उद्योग बंधु की बैठक में की गई शिकायत के बाद हुई है। नगर निगम के दो बुलडोजर दो घंटे तक कुतुबखाना मंडी में अतिक्रमण हटाते रहे।

कुतुबखाना मंडी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम ने शुक्रवार रात को कार्रवाई की। रात 10 बजे नगर निगम की टीम मजिस्ट्रेट, पुलिस फोर्स और दो बुलडोजर लेकर कुतुबखाना सब्जी मंडी पहुंची। मंडी में आढ़त लगाने वाले, जिन्होंने अपनी दुकान के साथ रास्ते के किनारे पर कब्जा जमाया हुए थे। जो फड़ लगाए हुए थे, उनके फड़ों को ध्वस्त कर दिया। बुलडोजर और नगर निगम की टीम पहुंचने की सूचना पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। फड़ वालों ने इसका कड़ा विरोध करते हुए धरने तक की चेतावनी दे दी। यह कार्रवाई रात करीब 12 बजे तक चली। इस दौरान नगर निगम के अवर अभियंता अनुराग कमल भी मौजूद रहे।

हम 60 रुपये की प्रतिदिन कटवाते हैं रसीद

नगर निगम की कार्रवाई के दौरान फड़ लगाने वाले सब्जी विक्रेता कहते रहे कि यह कार्रवाई अन्याय है। वह लोग प्रतिदिन 60 रुपये की रसीद नगर निगम के नाम की कटवाते हैं। इसके बाद भी यह कार्रवाई गलत है। नगर निगम के अधिकारी और जिला प्रशासन पर फड़ लगाने वाले एक तरफा कार्रवाई का आरोप लगाते रहे।

सावधान! अयोध्या में फर्जी खतौनी बनाने वाला गिरोह सक्रिय

» एक पीड़ित की शिकायत के बाद कोर्ट ने दिया मुकदमा दर्ज करने का आदेश

लोगों का आरोप, पुलिस से सेटिंग करके चल रहा है फर्जी खतौनी गैंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बीकापुर इलाके में जमीन हड़पने का नया फॉर्मूला निकला है कागज फर्जी बनाओ, मुहर नकली लगाओ और अदालत को भी गुमराह करो। इस धंधे का शिकार बने मलेथू कनक गांव के ऋषिकेश तिवारी, जिनकी खरीदी हुई जमीन पर कब्जा करने के लिए गैंग ने पूरी फिल्मी स्क्रिप्ट तैयार कर ली। जमीन खरीदो और दाखिल-खारिज करा लो और फिर शुरू होता है खेल 31 अगस्त 2022 को तिवारी ने गाटा संख्या-1030 खरीदी।25 अक्टूबर 2023 को दाखिल-खारिज भी हो गई। कानूनी रूप से सब ठीक लेकिन गांव के पांच सह-खातेदार नंदकिशोर, नंदलाल, नंदकुमार, जवाहर लाल और विजय कुमार ने फर्जीवाड़ा कर दिया। गैंग ने मिलकर कूटरचित खतौनी तैयार कर फर्जी तहसीलदार की मुहर लगाई।

फिर यही नकली कागज फैजाबाद न्यायालय में दाखिल कर स्टे ऑर्डर हासिल कर लिया। पीड़ित ने पुलिस में सुनवाई न होने पर अदालत में न्याय की गुहार लगाई। अब कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाए।

जानकारी के मुताबिक 8 दिसंबर 2024 को पीड़ित ऋषिकेश खेत में थे। तभी विपक्षी लाठी-डंडा लेकर पहुंचे और मारपीट की। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को दी। वहां कोई सुनवाई न होने पर एसएसपी कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत के आदेश पर कोतवाली इंस्पेक्टर लालचंद सरोज ने धोखाधड़ी, कूटरचना और दस्तावेज जालसाजी की धारा में पांच नामजद और पांच अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की। अब पुलिस फर्जी कागजों की असलियत जानने के लिए जांच कर रही है। गांव में लोग खुलकर कह रहे हैं अब जमीन पर कब्जा लाठी से नहीं, फर्जी खतौनी से होता है। असली सवाल फर्जी मुहर किसकी जेब से निकली? यह मामला सिर्फ जमीन विवाद नहीं है यह राजस्व तंत्र, पुलिस और अदालत के बीच चल रहे फर्जी दस्तावेज उद्योग की जड़ें बताता है। माना जा रहा है कि जिले में पर्जी खतौनी बनवाने वाला गिरोह सक्रिय है जो पुलिस के संरक्षण में चल रहा है।

रामनगरी में भीड़ बढ़ी तो सख्त हुई पुलिस

» अयोध्या में गोल्फ कार्ट संचालन पर नई एडवाइजरी लागू

»एडवाइजरी का उल्लंघन करने पर की जाएगी कड़ी कार्यवाही

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शहर में बढ़ती श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही को देखते हुए अयोध्या पुलिस ने गोल्फ कार्ट संचालन को लेकर कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। शनिवार को सीओ आशुतोष तिवारी ने सभी गोल्फ कार्ट संचालकों के साथ बैठक कर स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए एडवाइजरी का पालन हर हाल में अनिवार्य होगा, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीओ तिवारी के अनुसार गोल्फ कार्ट सुरक्षित परिवहन का अहम साधन है, लेकिन भीड़ बढ़ने के साथ सुरक्षा जोखिम भी बढ़ते हैं। इसीलिए पुलिस ने ड्राइवरों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश लागू किए हैं, जिनका पालन संचालन की अनिवार्य शर्त पर होगा। सीओ का कहना है कि निर्धारित नियमों से न सिर्फ दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

गोल्फ कार्ट ड्राइवरों के लिए मुख्य निर्देश

बैटरी/फ्यूल, ब्रेक, स्टीयरिंग, टायर और लाइट की जांच अनिवार्य , निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाने पर रोक, केवल निर्धारित मार्ग पर ही कार्ट संचालन, गति सीमा 10-15 किमी/घंटा, मोड़ और ढलान पर धीमी गति व अतिरिक्त सावधानी, मोबाइल फोन व हेडफोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित, नशे की हालत में ड्राइविंग पर सख्त रोक, चलते वाहन में चढ़ना-उतरना प्रतिबंधित, वाहन रोककर ही यात्रियों को बैठाना, यात्रियों को सुरक्षित सीट पर बैठाना ड्राइवर की जिम्मेदारी, पैदल यात्रियों और ट्रैफिक पुलिस संकेतों को प्राथमिकता, अन्य वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य, सिर्फ निर्धारित स्थान पर ही पार्किंग, वाहन रोकने के बाद ब्रेक व पावर ऑफ, कार्ट को स्वच्छ व सुरक्षित रखना, किसी भी तरह की तकनीकी खराबी, धुआं, हादसा या असामान्य आवाज पर तुरंत संचालन रोककर प्रबंधन को सूचना।

अयोध्या में मतदाता सूची संशोधन पर सपा ने जड़े कई आरोप

» बीएलओ व अधिकारियों पर लगाए पक्षपात करने के आरोप

»सपा नेता ने कहा फॉर्म गलत भरे तो रद्द होंगे, फिर वोट कटेंगे

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत चल रहा मतदाता सूची संशोधन अभियान विवादों में घिर गया है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन ने आरोप लगाया कि फॉर्म के वितरण और भराई में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे आम मतदाताओं के वोट कटने का खतरा बढ़ गया है। वहीं प्रशासन ने कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया सही चल रही है।

पवन पांडेय के आरोपों के अनुसार, फॉर्म घर-घर नहीं पहुंच रहे हैं और जहां पहुंच रहे हैं, वहां गलत व असंगत सूची के आधार पर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दो दशक पुरानी मतदाता सूची को आधार बनाकर फॉर्म भरवाए जा रहे हैं, जिसमें भारी खामियां हैं। कई बीएलओ सत्ताधारी नेताओं के दबाव में काम कर रहे हैं और जानबूझकर गड़बड़ी की जा रही है। इसके कारण विपक्ष समर्थक मतदाताओं के वोट कटने की आशंका बढ़ गई है। पवन पांडेय ने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों, विशेषकर एडीएम प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी तरह उदासीन हैं, जनता की समस्याएं सुनने को तैयार नहीं और सत्ता के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब फॉर्म सही से भरे ही नहीं जाएंगे, तो वे रद्द होंगे। इसके बाद आपत्तियां मांगी जाएंगी, लेकिन जनता को यह भी नहीं बताया जाएगा कि आपत्ति कैसे दर्ज करनी है। इसी प्रक्रिया के माध्यम से वोट कटने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। पवन पांडेय ने स्पष्ट कहा कि किसी भी मतदाता का वोट नहीं कटना चाहिए। इस बाबत सपा नेता कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में आरएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति नहीं सुधरी, तो समाजवादी पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

अखिलेश यादव क्या बिहार चुनाव के बाद तनाव में हैं?

केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा दावा, सपा मुखिया को उबरने का उपाय भी सुझाया

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद से समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव तनाव में हैं। यह बयान यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की तरफ से आया है। वाराणसी पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अखिलेश यादव तनाव में हैं। वह बौखला गए हैं और धीरे-धीरे उनकी राजनीति समाप्ति की ओर है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि तनाव दूर करने के लिए अखिलेश यादव को काशी आकर बाबा विश्वनाथ का दर्शन करना चाहिए।

डिप्टी सीएम ने कहा कि काशी आज विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले कई चुनावों में भाजपा ने राज्यों में शानदार जीत दर्ज की है और बिहार में पार्टी का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा। अब लक्ष्य पश्चिम बंगाल में व्याप्त जंगलराज को समाप्त करना है। एक सवाल के जवाब में केशव मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व की कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 60 वर्षों में जो काम नहीं हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 साल में करके दिखा दिए हैं। विकास की नई परिभाषा रची जा रही है, जिसमें देश का गरीब, पिछ?ा, वंचित तबका विशेष रूप से शामिल है।

दोनों डिप्टी सीएम पहुंचे वाराणसी एयरपोर्ट

शनिवार सुबह यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक राजकीय विमान से वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे। टर्मिनल पर पहले से मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और अंगवस्त्र के साथ उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। एयरपोर्ट से सीधे सर्किट हाउस पहुंचे केशव मौर्य बाद में काल भैरव और बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वे चितईपुर स्थित आदित्य नगर कॉलोनी में कौशलेंद्र सिंह पटेल के आवास पर मुलाकात करने गए।

निशाने पर क्यों सपा अध्यक्ष

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को अब केशव प्रसाद मौर्य सीधा निशाना पर ले रहे हैं। दरअसल, बिहार चुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने लगातार महागठबंधन की सरकार बनने के दावे किए थे। करीब ढाई दर्जन जनसभाओं के जरिए राजद-कांग्रेस-वाम दलों के उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, इसमें उन्हें सफलता नहीं मिली।

कफ सिरप प्रकरण पर बोले

डिप्टी सीएम ने कहा कि कोडीनयुक्त कफ सिरप प्रकरण पर उन्होंने कहा कि मामले की गहराई से जांच चल रही है। जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। घुसपैठियों के मुद्दे पर केशव मौर्य ने विपक्ष पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया और कहा कि विरोधी दलों ने तुष्टिकरण का चश्मा पहन रखा है, इसलिए वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

कफ सिरप केस में नाम आने पर बौखलाए धनंजय सिंह

एक्स पर किया लंबा पोस्ट, खुद को बताया बेगुनाह, पीएम-सीएम को लिखा पत्र, सीबीआई जांच की मांग

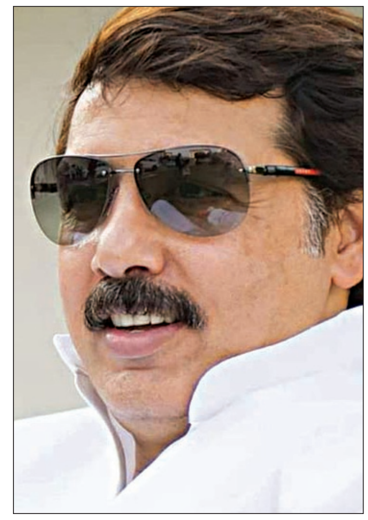

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

कफ सिरप तस्करी मामले में यूपी एसटीएफ लगातार कार्रवाई कर रही है। अभी दो दिन पहले ही एसटीएफ कई बड़े चौंकाने वाले खुलासे भी किए हैं। इस मामले में एसटीएफ ने मास्टरमाइंड शुभम जायवाल के साथ अमित टाटा को गिरफ्तार कर लिया है। अब बाहुबली और पूर्व सांसद धनंजय सिंह का भी नाम सामने आया है। कफ सिरप मामले में नाम आने पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह बिफर पड़े और विरोधियों पर बदनाम करने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पर लंबी-चौड़ी पोस्ट लिख डाली। खुद को बेगुनाह बताते हुए धनंजय सिंह ने सीबीआई जांच कराने की मांग की। धनंजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा है कि कुछ राजनैतिक विरोधियों ने उनके बारे में भ्रम फैलाया है।

पूर्व सांसद ने अपने फेसबुक एकाउंट पर लिखा मुझे पता है कि कफ़ सिरफ़ के मुद्दे पर मेरे कुछ राजनैतिक विरोधियों ने पत्रकार बंधुओं को गुमराह कर के मेरे बारे में भ्रामक्ता फैलाने का कृत्य किया है। उन्होंने कहा यह प्रकरण जौनपुर और वाराणसी से जुड़ा होने के कारण कांग्रेस और अन्य दलों के नेताओं के द्वारा झूठे आरोप लगाकर प्रधानमंत्री के छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकरण की जाँच यूपी सरकार द्वारा गहनता से विभिन्न एजेंसियों के द्वारा कराई जा रही है, जिससे प्रकरण की सत्यता सबके सामने आ जाएगी। चूंकि यह मामला अंतर्राजीय है अतः प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि इस मामले की व्यापक जांच सीबीआई से कराई जाए। जिससे दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनश्चिति हो और अनर्गल आरोपों और झूठी ख़बरों पर विराम लग सके।

धनंजय सिंह ने आगे लिखा, इस सम्बन्ध में मैं प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी को पत्र लिख रहा हूँ जिससे भ्रामक खबर चलवाने तथा यूपी सरकार की छवि धूमिल करने वालों का चेहरा उजागर हो सके। गौरतलब है कि कफ सिरप मामले में अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा का नाम सामने आया है। अमित टाटा के साथ धनंजय सिंह की तस्वीर वायरल हुई थी जिसके चलते विपक्षी दल के नेताओं ने धनंजय की भी इस मामले में संलप्तिता की आशंका जताई थी जिसको लेकर धनंजय ने इस भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुये मामले की जांच सीबीआई जांच की मांग की है।

जौनपुर में अमित सिंह टाटा के घर छापा

प्रतिबंधित कफ सिरप मामले में अमित सिंह टाटा के घर शुक्रवार की देर शाम पुलिस ने छापेमारी की। घर की गहन तलाशी के बाद परिवार के लोगों से भी पूछताछ की। सीठूपुर स्थित पैतृक आवास पर सुरेरी थाना की पुलिस की कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तलाशी में कोई ठोस सबूत नहीं मिले। बताते चलें कि अमित सिंह टाटा की एक दिन पहले लखनऊ से गिरफ्तारी हुई थी। नशीली दवा के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल का वह करीबी है। शुभम जायसवाल के सउदी भाग जाने की सूचना है।

बुलडोजर से मुस्लिम पत्रकार का घर ढहाया हिंदू ने गिफ्ट किया प्लॉट, घर बनाने का वादा

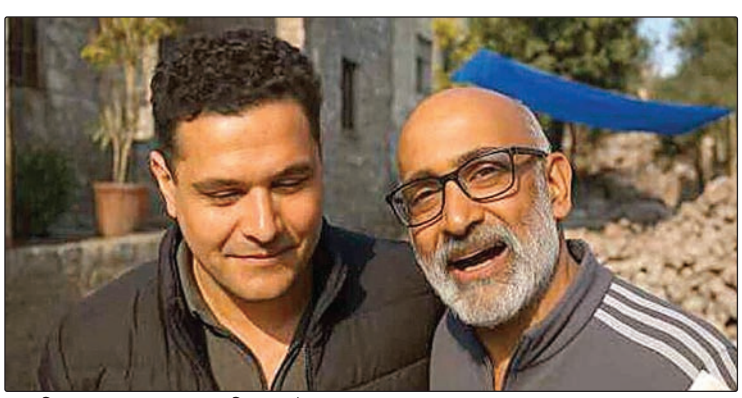

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

जम्मू/कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में एक मुस्लिम पत्रकार के घर पर जब बुलडोजर चला दिया गया तो उसके हिंदू पड़ोसी मदद के लिए आगे आ गए। बीजेपी नेता रविंदर रैना ने भी पत्रकार के परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि हमारे प्रधानमंत्री लोगों को घर देने पर विश्वास करते हैं और यह सरकार लोगों के घर उजाड़ रही है। पत्रकार ने कहा था कि घर पर बुलडोजर चलवाने से पहले उन्हें कोई नोटिस भी नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रशासन की यह कार्रवाई तानाशाही है। जम्मू डिवेलपमेंट अथॉरिटि ने पत्रकार अराफाज अहमद दैंग का घर ढहा दिया था। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल को तैनात कर दिया गया था।

पत्रकार ने बताया था कि उनका घर 40 साल पुराना था और उनके पिता भी इसी घर में रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल उनका एक घर ढहा दिया गया था और इसके बाद वह इस घर में रहने लगे ते। बता दें कि दैंग जम्मू- में एक न्यूज पोर्टलल चलाते थे। उन्होंने सरकार की डिमोलिशन ड्राइव के खिलाफ रिपोर्टिंग करनी शुरू कर दी थी।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह केवल सरकार को बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल की तरफ से नियुक्त किए गए अधिकारियों ने ही यह कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार के खिलाफ साजिश रची जा रही है।

सोशल मीडिया पर छा गए कुलदीप शर्मा

सोशल मीडिया पर लोग हिंदू समुदाय के इस कदम की सराहना कर रहे हैं। वहीं पत्रकार का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि घर ढहाने के वक्त पुलिसबल उन्हें खींचकर दूर ले जा रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इस तरह से किसी का घर ढहाना तानाशाही है।

पड़ोसी पत्रकार का घर ढहाए जाने के बाद उनके पड़ोसी कुलदीप शर्मा सामने आए और उन्होंने एक प्लॉट उन्हें गिफ्ट कर दिया। उन्होंने कहा, मैं अपने भाई को इस तरह टूटने नहीं दे सकता। कुछ भी हो जाए, मैं उनका घर बनवाऊंगा। उन्होंने तीन मारला प्लॉट पर बने घर को गिराया, मैं उन्हें पांच मारला का प्लॉट दे रहा हूं।

एसआईआर प्रक्रिया की अवधि तीन महीने बढ़ाने के लिए याचिका दायर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन आजाद ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अवधि तीन महीने बढ़ाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्य में चार सप्ताह में 15.35 करोड़ मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराना प्रशासनिक रूप से असंभव है और इससे बड़ी संख्या में लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। याचिका में इस कवायद की अवधि तीन महीने बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि गलत तरीके से नाम हटाए जाने से बचा जा सके, ग्रामीण मतदाताओं को परेशानी न हो और मतदाता सूचियों का निष्पक्ष व सटीक पुनरीक्षण किया जा सके।

निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में चार नवंबर को एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) चार दिसंबर तक हर घर जाकर मतदाताओं के विवरण की जांच और उसे अद्यतन करने का काम करेंगे।